4. पत्ता गोभी का तितली कीट (Pieris brassicae)
पहचान एवं नुकसान:
- सफेद रंग की तितली।
- सूंडी पत्तियों को तेजी से खाती है।
- बड़े छेद बनते हैं, जिससे बाजार गुणवत्ता घटती है।

चित्र 4: पत्ता गोभी की तितली और सूंडी

कीट प्रबंधन के उपाय
(क) सांस्कृतिक उपाय:
- स्वस्थ और कीटमुक्त पौध तैयार करें।
- फसल चक्र अपनाएँ।
- खरपतवारों को नियमित रूप से हटाएँ।
- खेत की गहरी जुताई करें ताकि कीटों के प्यूपा नष्ट हों।

(ख) यांत्रिक एवं भौतिक उपाय:
- प्रारंभिक अवस्था में अंडों और सूंडियों को हाथ से नष्ट करें।
- फेरोमोन ट्रैप (5–6 प्रति एकड़) लगाएँ।
- प्रकाश प्रपंच (Light trap) का प्रयोग करें।

(ग) जैविक नियंत्रण:
- ***Bacillus thuringiensis***(Bt) का छिड़काव करें।
- नीम आधारित कीटनाशक (NSKE 5%) का प्रयोग करें।
- परजीवी कीट जैसे Cotesia plutellae को संरक्षण दें।

(घ) रासायनिक नियंत्रण:
केवल आवश्यकता पड़ने पर ही प्रयोग करें

क्रमांक	कीट का नाम	अनुशंसित कीटनाशक	मात्रा
1	डायमंड बैक मॉथ	स्पिनोसैड 45 SC	0.3 मिली/लीटर
2	पत्ता खाने वाली इल्ली	इमामेक्टिन बेंजोएट 5 SG	0.4 ग्राम/लीटर
3	एफिड	इमिडाक्लोप्रिड 17.8 SL	0.3 मिली/लीटर
4	पत्ता गोभी तितली	क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल 18.5 SC	0.4 मिली/लीटर

तालिका 1: पत्ता गोभी के प्रमुख कीट एवं नियंत्रण उपाय

क्या करें और क्या न करें
क्या करें
- नियमित रूप से खेत का निरीक्षण करें।
- जैविक और यांत्रिक उपाय पहले अपनाएँ।
- अनुशंसित मात्रा में ही कीटनाशक का प्रयोग करें।

क्या न करें
- अंधाधुंध रासायनिक छिड़काव न करें।
- एक ही कीटनाशक का बार-बार प्रयोग न करें।
- हवा के तेज बहाव में छिड़काव न करें।

निष्कर्ष:
पत्ता गोभी की सफल खेती के लिए कीट प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। यदि किसान कीटों की सही पहचान कर समय पर सांस्कृतिक, जैविक और आवश्यकता अनुसार रासायनिक उपाय अपनाएँ, तो न केवल उपज में वृद्धि होगी बल्कि उत्पादन लागत भी कम होगी। समेकित कीट प्रबंधन अपनाकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हुए सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सब्जी उत्पादन संभव है।

परिचय (INTRODUCTION):
पत्ता गोभी (CABBAGE) एक महत्वपूर्ण शीतकालीन सब्जी फसल है, जिसकी खेती भारत के लगभग सभी राज्यों में की जाती है। यह विटामिन C, फाइबर और खनिज तत्वों से भरपूर होती है। परंतु इसकी खेती में कई प्रकार के कीटों का प्रकोप होता है, जो पौधों की वृद्धि, पत्तियों की गुणवत्ता और कुल उत्पादन को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। यदि समय पर कीट प्रबंधन न किया जाए, तो 30–50 प्रतिशत तक उपज हानि संभव है। इसलिए पत्ता गोभी के प्रमुख कीटों की पहचान, उनके लक्षण तथा समेकित कीट प्रबंधन (IPM) रणनीतियों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

पत्ता गोभी के प्रमुख कीट:

चित्र 1. पत्ता गोभी में पाए जाने वाले प्रमुख कीट एवं उनकी पहचान।

1. डायमंड बैक मॉथ (*PLUTELLA XYLOSTELLA*)
पहचान एवं नुकसान:
- सूंडी हरे रंग की, पतली और सक्रिय होती है।
- पत्तियों की निचली सतह से खुरचना शुरू करती है।
- पत्तियों में छोटे-छोटे छेद बन जाते हैं।
- गंभीर अवस्था में केवल पत्तियों की नसें ही बचती हैं।

अनुकूल परिस्थितियाँ:
- मध्यम तापमान
- शुष्क एवं आर्द्र मौसम का मिश्रण

चित्र 1: डायमंड बैक मॉथ की सूंडी और क्षतिग्रस्त पत्तियाँ

2. पत्ता खाने वाली इल्ली (*SPODOPTERA LITURA*)
पहचान एवं नुकसान:
- सूंडी गहरे भूरे या हरे रंग की होती है।
- रात के समय अधिक सक्रिय रहती है।
- पत्तियों को बड़े पैमाने पर खा जाती है।
- नवजात पौधों को पूरी तरह नष्ट कर सकती है।

चित्र 2: पत्ता खाने वाली इल्ली द्वारा क्षति

3. एफिड या माहू (*Brevicoryne brassicae*)
पहचान एवं नुकसान:
- छोटे, नरम शरीर वाले हरे या धूसर कीट।
- झुंड में पत्तियों और तनों पर पाए जाते हैं।
- रस चूसने से पत्तियाँ मुड़ जाती हैं।
- मधुरस के कारण काली फफूंदी (Sooty mold) लगती है।

चित्र 3: एफिड का प्रकोप और पत्तियों का मुड़ना

क्रमांक: COOP/2023/KOTA/201080/25/55

एग्रीकल्चर फ़ोरम फॉर टेक्निकल एजुकेशन ऑफ़ फार्मिंग सोसायटी

कोटा, राजस्थान

पत्ता गोभी के प्रमुख कीट और उनका समेकित प्रबंधन

संकलन

कमल यादव[1], डॉ. वालुनीबा[2]
[1]पीएच.डी. शोधार्थी, कीट विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान विद्यालय, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड
[2]सहायक प्रोफेसर, कीट विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान विद्यालय, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड